/font>

Title: Need to take steps to check the incidents of land subsidence in Jharia coal belt in Jharkhand-Laid.

प्रो. रीता वर्मा (धनबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, झरिया कोयलांचल देश की औद्योगिक गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु है। वहां के भू-गर्भ से काला हीरा निकलता है। देश की समृद्धि ति महानगरों की जगमगाहट उस पर निर्भर करती है। दूसरी ओर इसका बड़ा मूल्य वहां के निवासियों को चुकाना पड़ा है। लम्बे समय तक अवैज्ञानिक तरीके से कोयला खनन के कारण वहां की धरती खोखली हो गयी है। कायदे से कोयला खनन के बाद भू-गर्भ को बालू-मिट्टी से भर देना होता है, परन्तु इस कार्य को ठीक से नहीं किया गया।

नतीजतन भू-गर्भ में लगी आग अब सतह तक पहुंच कर जमीन को और भी खोखला कर रही है। आग के कारण भू-गर्भ से निकलने वाली जहरीली गैसे जानलेवा साबित हो रही है। इन सब वजहों से झरिया कोयलांचल के अनेक भागों की आबादी बुरी तरह प्रभावित है।

झरिया कोयलांचर के केंदुआ बाजार स्थित कपड़ा पट्टी, हड़िया पट्टी, ढिबरी पट्टी, मुस्लिम बस्ती आदि मुहल्लों में भू-धंसान के कारण घरों में दरारें पड़ गयीं, जिससे उन मुहल्लों के लोग पूरी तरह असुरक्षित हो गए हैं। केंदुआ बाजार की मुख्य सड़क भी दरार की चपेट में है। इन इलाकों में कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका है।

मेरी केन्द्र सरकार से खासतौर से कोयला मंत्रालय से गुहार है कि केंदुआ बाजार के भू-धंसान वाले इलाकों में वैज्ञानिकों की मदद से भूमि स्थिरीकरण की व्यवस्था तुरंत युद्धस्तर पर की जाए ताकि संभावित बड़े खतरे को टाला जा सके।